Brahma Kumaris
Environment Initiative

सम्मेलन रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन

COP31

9–18 नवंबर 2026 | अंताल्या, तुर्किये



फोटो में: बी.के. टीम: बुरहान, बिराजिथ, शांतनु, सोनजा, सिस्टर मॉरीन, गोलो, अनेता, डोरकस, कृष्णा, स्वप्निल

हमारा विषय

“जलवायु के प्रति सहनशीलता की शुरुआत हमारे भीतर से होती है”

Climate Resilience Begins Within

इस रिपोर्ट में

01 सम्मेलन का आरंभ
9–10 नवंबर 2026

02 विश्व नेताओं का शिखर सम्मेलन
11–13 नवंबर 2026

03 अंतिम सप्ताह की ओर
14–16 नवंबर 2026

04 अंतिम चरण
17–18 नवंबर 2026

मुख्य तथ्य और तारीखें

COP31 एक नज़र में

सम्मेलन

100+
देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्रियों के आधिकारिक वक्तव्य

1 लाख
लगभग इतने प्रतिनिधियों ने सम्मेलन के लिए पंजीकरण कराया

91
देशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों ने शामिल होने की पुष्टि की

$1.3 ट्रिलियन
का जलवायु वित्त लक्ष्य – विकासशील देश अनुदान की मांग कर रहे हैं

10,000+
लोगों ने जलवायु न्याय की मांग को लेकर अंताल्या में मार्च निकाला

21
महत्वपूर्ण मुद्दों पर अंतिम चरण में भी सहमति नहीं बन पाई थी

ब्रह्माकुमारीज़

बूथ 1
प्रदर्शनी बूथ नंबर 1 – मिलने-जुलने और कार्यों को साझा करने का केंद्र

चौथा वर्ष
लगातार चौथे वर्ष क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो

150
प्रतिभागी (लगभग), 50 से अधिक देश – COY21 युवा सम्मेलन

40
लोगों (लगभग) ने ग्रीन ज़ोन में हमारे पहले कार्यक्रम में भाग लिया

5-स्टार
ज्ञान सरोवर स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सोलर हाउस को टिकाऊ भवन की मान्यता

VR 3D
प्रदर्शनी में मधुबन और पर्यावरण परियोजनाओं का इमर्सिव अनुभव

मुख्य तारीखें

4 नवंबर	तालानोआ संवाद (ऑनलाइन) – सम्मेलन से पहले	पृष्ठ 8 ›
9 नवंबर	सोमवार – सम्मेलन का उद्घाटन	पृष्ठ 10 ›
10 नवंबर	TED काउंटडाउन हाउस में ब्रेकफास्ट कार्यक्रम, थॉमस हिर्श से संवाद	पृष्ठ 13 ›
11 नवंबर	उच्चस्तरीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन	पृष्ठ 17 ›
12–13 नवंबर	प्रदर्शनी में VR इमर्सिव 3D अनुभव, ‘आलो प्रोथम’ को साक्षात्कार	पृष्ठ 19 ›
15 नवंबर	रविवार – बी.के. टीम का समुद्र तट भ्रमण	पृष्ठ 27 ›
16 नवंबर	रोटरी क्लब पवेलियन में पैनल चर्चा, रेडियो मधुबन	पृष्ठ 28 ›
18 नवंबर	तंजानिया पवेलियन में मुख्य संबोधन, UNFCCC संवाद	पृष्ठ 35 ›

इस रिपोर्ट में

विषय सूची

00 प्रस्तावना — 4
पृष्ठभूमि • ब्रह्माकुमारीज़ • सम्मेलन से पहले

- सम्मेलन की पृष्ठभूमि — 4
- COP31 में ब्रह्माकुमारीज़ — 5
- COP31 में ब्रह्माकुमारीज़ की टीम — 7
- COP से पहले आयोजित कार्यक्रम (Pre-COP Events) — 8

01 सम्मेलन का आरंभ — 10
9–10 नवंबर 2026

- आरंभिक दिनों की झलकियाँ – डेनमार्क पवेलियन, ग्रीन ज़ोन, क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो — 11
- मंगलवार, 10 नवंबर — 13

02 विश्व नेताओं का शिखर सम्मेलन — 15
11–13 नवंबर 2026

- बुधवार, 11 नवंबर — 17
- गुरुवार, 12 नवंबर – शुक्रवार, 13 नवंबर — 19

03 अंतिम सप्ताह की ओर — 22
14–16 नवंबर 2026

- सम्मेलन स्थल से गतिविधियाँ — 24
- रविवार, 15 नवंबर — 27
- सोमवार, 16 नवंबर — 28

04 अंतिम चरण — 30
17–18 नवंबर 2026

- मंगलवार, 17 नवंबर — 32
- बुधवार, 18 नवंबर — 35
- हमसे जुड़ें — 39

प्रस्तावना

सम्मेलन की पृष्ठभूमि

इस वर्ष COP सम्मेलन से बहुत अधिक उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। हम पहले से ही जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणाम देख रहे हैं। कहीं भीषण सूखा पड़ रहा है, कहीं जंगलों में आग लग रही है, तो कहीं बाढ़ आ रही है। शक्तिशाली अल नीनो (El Niño) की वजह से ये प्राकृतिक आपदाएँ और भी गंभीर हो रही हैं। वहीं, दुनिया में बढ़ते राजनीतिक तनाव भी इस दिशा में काम करना मुश्किल बना रहे हैं। ऐसे में राजनेताओं और वार्ताकारों पर ठोस परिणाम देने का बहुत दबाव है।

इस वर्ष के सम्मेलन का विषय बहुत ही प्रेरणादायक है:

सम्मेलन का विषय

“भविष्य का COP – संकल्पों को कार्यरूप देने वाला COP”

COP of the Future – COP of Implementation





एक लंबे मतभेद के बाद तुर्किये और ऑस्ट्रेलिया ने मिलकर इस सम्मेलन की अध्यक्षता करने और नेतृत्व साझा करने का एक अनोखा निर्णय लिया है। सोमवार को सम्मेलन का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर सभी ने मिलकर जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए तत्काल और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, ताकि वैश्विक तापमान में वृद्धि को 1.5°C से नीचे रखा जा सके।

तुर्किये • ऑस्ट्रेलिया

ने मिलकर सम्मेलन की अध्यक्षता करने और नेतृत्व साझा करने का निर्णय लिया

1.5°C

से नीचे वैश्विक तापमान वृद्धि को रखने के लिए तत्काल और सामूहिक प्रयासों पर ज़ोर

हमारी उपस्थिति

COP31 में ब्रह्माकुमारीज़

हमारा विषय

“जलवायु के प्रति सहनशीलता की शुरुआत हमारे भीतर से होती है”

Climate Resilience Begins Within

इस विषय के अंतर्गत हमारी टीम जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चर्चाओं में एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक दृष्टिकोण प्रस्तुत कर रही है। इसमें बताया जा रहा है कि हमारे विचारों, मूल्यों, जीवनशैली और पृथ्वी ग्रह की वर्तमान स्थिति के बीच गहरा संबंध है।



बुरहान, बिराजिथ, अनेता, स्वप्निल और डोर्कस

विभिन्न चर्चाओं, इंटरव्यू, मेडिटेशन के अनुभवों और प्रदर्शनी बूथ नंबर 1 पर आयोजित गतिविधियों के माध्यम से ब्रह्माकुमारीज़ यह संदेश साझा कर रही हैं कि जलवायु परिवर्तन के स्थायी समाधान के लिए केवल तकनीकी और राजनीतिक प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इसके लिए मानव चेतना में परिवर्तन लाना भी आवश्यक है।



COP31 के लिए पंजीकरण कराते हुए सिस्टर मॉरीन गुडमैन, अनेता और सोनजा

> जैसे-जैसे सम्मेलन में विचार-विमर्श और बातचीत आगे बढ़ रही है, हमें यह याद दिलाया जा रहा है कि दुनिया में शांति, सहयोग और चुनौतियों का सामना करने की शक्ति की शुरुआत हमारे अपने भीतर से होती है।

प्रदर्शनी

प्रदर्शनी बूथ नंबर 1

हमारे प्रदर्शनी बूथ नंबर 1 को एक बहुत अच्छी जगह मिली है। सम्मेलन के पहले ही दिन से यह बूथ लोगों के मिलने-जुलने और अपने कार्यों को साझा करने का एक सक्रिय केंद्र बन गया है। यहाँ हम प्रतिनिधियों को शुभकामना कार्ड दे रहे हैं और पुराने परिचितों से फिर से मिल रहे हैं।



बूथ नंबर 1 पर प्रतिनिधियों को शुभकामना कार्ड



ब्रह्माकुमारीज़ टीम: बिराजिथ, शांतनु, डोर्कस, स्वप्निल, अनेता, सोनजा, गोलो और सिस्टर मॉरीन (फ़ोटो: बुरहान)

हमारी टीम

COP31 में ब्रह्माकुमारीज़ की टीम



फोटो में: बी.के. टीम: बुरहान, बिराजिथ, शांतनु, सोनजा, सिस्टर मॉरीन, गोलो, अनेता, डोरकस, कृष्णा, स्वप्निल

स **सिस्टर मॉरीन गुडमैन**
कई महत्वपूर्ण संवादों और मुलाकातों में सहभागिता; तंजानिया पवेलियन में मुख्य वक्ता

ग **गोलो**
क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो के संवादों का संचालन और इंटरव्यू; सोलर हब में प्रस्तुति

स **सोनजा ओहल्सन**
क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो संवादों का संचालन; डेनमार्क की महारानी से मुलाकात

अ **अनेता**
RINGO बैठकें; शिखर सम्मेलन के उद्घाटन में सहभागिता; एनर्जी एंड नेचर कार्यक्रम में मेडिटेशन

श **शांतनु मंडल**
युवा प्रतिनिधि; रोटरी क्लब पवेलियन और तंजानिया पवेलियन में पैनलिस्ट

ब **बिराजिथ**
मीडिया ट्रेनिंग; हिममंडल प्रदर्शनी केंद्र में संध्या मेडिटेशन

ब **बुरहान**
बी.के. टीम; क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो टीम

ड **डोर्कस**
बी.के. टीम; पहले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रमों के बाद विदा

स **स्वप्निल**
बी.के. टीम

क **कृष्णा**
रेडियो मधुबन; COP31 प्रेसडेस्क की जिम्मेदारी

र **रीना**
लीसेस्टर से; COP31 में धरती माता का संदेश

ब **बिरु**
लंदन से; COY21 युवा सम्मेलन में सहभागिता

टीम के सदस्यों और उनकी भूमिकाओं का उल्लेख इस रिपोर्ट के विभिन्न दिनों के विवरण पर आधारित है।

> सकारात्मक वाइब्रेशन्स और इस संदेश के माध्यम से कि विश्व परिवर्तन की शुरुआत स्वयं के आंतरिक परिवर्तन से होती है, हमारी टीम COP31 में शामिल लगभग 95,000 प्रतिनिधियों के बीच एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सम्मेलन से पहले

COP से पहले आयोजित कार्यक्रम (Pre-COP Events)

4 नवंबर • ऑनलाइन

तालानोआ संवाद

इस वर्ष COP31 का तालानोआ संवाद 4 नवंबर को ऑनलाइन आयोजित किया गया। इस संवाद का उद्देश्य COP30 में शुरू हुई चर्चाओं को आगे बढ़ाना और वैश्विक नैतिक समीक्षा में अंतरधार्मिक समन्वय समिति के योगदान को और विकसित करना था। इसमें विशेष रूप से इस बात पर ध्यान दिया गया कि COP30 के दौरान सामने आए साझा नैतिक सिद्धांतों और प्रतिबद्धताओं को व्यावहारिक कार्यों में किस प्रकार बदला जा सकता है।

तालानोआ संवाद फिजी के मूल निवासियों की एक पारंपरिक पद्धति है, जिसके माध्यम से समुदाय के लोग मिल-बैठकर समस्याओं का समाधान खोजते हैं। जब फिजी ने COP23 की अध्यक्षता की थी, तब इस पद्धति को जलवायु से जुड़े सबसे चुनौतीपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सम्मेलन में शामिल किया गया था। इस संवाद की प्रक्रिया में मुख्य रूप से तीन प्रश्नों पर विचार किया जाता है:

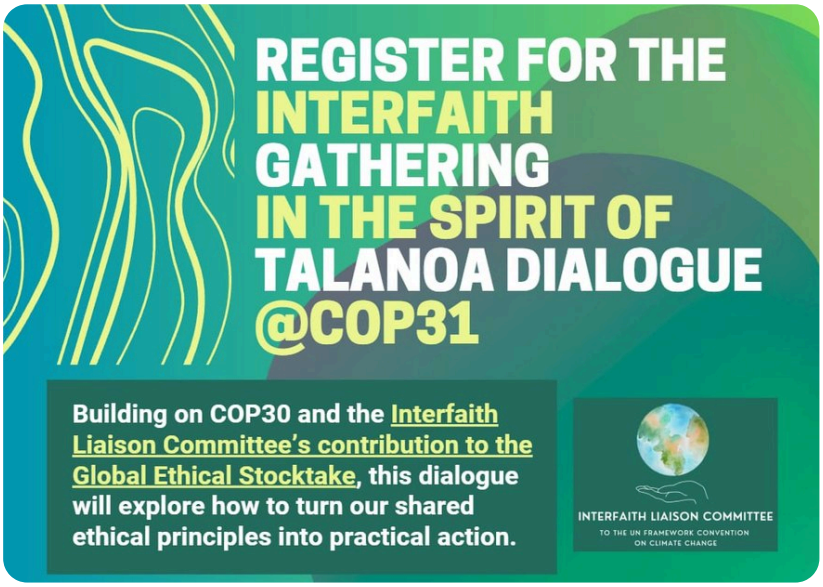

तालानोआ संवाद की भावना में अंतरधार्मिक सभा

तालानोआ के तीन प्रश्न

01
हम आज कहाँ खड़े हैं?

02
हम कहाँ पहुँचना चाहते हैं?

03
हम अपने लक्ष्य तक कैसे पहुँच सकते हैं?

दुनियाभर में जलवायु संरक्षण के लिए कार्यरत धार्मिक एवं आध्यात्मिक समुदायों के रूप में इस संवाद के माध्यम से हम जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी चुनौतियों पर विचार करते हैं। हम समझने का प्रयास करते हैं कि वर्तमान स्थिति क्या है, हमें किस दिशा में आगे बढ़ना है और अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए कौन-से व्यावहारिक कदम उठाने हैं। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से सिस्टर मॉरीन, वैलेरियन और अनेता ने इस संवाद में भाग लिया।

प्रशिक्षण

मीडिया ट्रेनिंग

COP सम्मेलन से पहले बिराजिथ और शांतनु ने मीडिया ट्रेनिंग कार्यक्रम में भाग लिया।



युवा

COY21 युवा सम्मेलन



अंताल्या में तीन दिन की प्रेरणा, जुड़ाव और जलवायु के लिए प्रयास!

तीन दिनों तक चले इस प्रेरणादायी सम्मेलन में 50 से अधिक देशों के लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यहाँ ऐसे युवाओं का एक सुंदर समूह बना, जो धरती माँ और एक-दूसरे के प्रति प्रेम और देखभाल की भावना से जुड़े हुए हैं।

लंदन से आए ब्रह्माकुमारीज़ के प्रतिनिधि बिरु और शांतनु ने इस सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने एक विशेष सत्र का संचालन किया, एक अन्य सत्र में वक्ता के रूप में अपने विचार साझा किए और दुनिया भर से आए ऐसे युवाओं से मुलाकात की, जो सकारात्मक बदलाव लाने के लिए समर्पित हैं।



ग्रीन ज़ोन में ब्रह्माकुमारीज़ का पहला कार्यक्रम – सिस्टर मॉरीन, अनेता और शांतनु

भाग 01 9–10 नवंबर 2026

01

सम्मेलन का आरंभ

आज यहाँ 'अंताल्या लीडर्स समिट' शुरू हो चुका है। इस जलवायु सम्मेलन में 100 से अधिक देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्री अपने-अपने देश की ओर से आधिकारिक वक्तव्य प्रस्तुत करेंगे। लगभग 1 लाख प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन के लिए पंजीकरण कराया है। सुरक्षा के बहुत कड़े इंतज़ामों के कारण कई बार लोगों को आने-जाने में घंटों तक इंतज़ार करना पड़ रहा है।

100+
देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्री

1 लाख
प्रतिनिधियों (लगभग) का पंजीकरण

बूथ 1
ब्रह्माकुमारीज़ की प्रदर्शनी

इस भाग में

- आरंभिक दिनों की झलकियाँ – डेनमार्क पवेलियन, ग्रीन ज़ोन, क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो 11
- मंगलवार, 10 नवंबर 13
- भाग 01 की झलकियाँ 14

आरंभिक दिनों की झलकियाँ

डेनमार्क पवेलियन • ग्रीन ज़ोन • क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो



डेनमार्क पवेलियन

डेनमार्क की महारानी से मुलाकात

COP31 में डेनमार्क पवेलियन के उद्घाटन के अवसर पर सोनजा की डेनमार्क की महारानी मैरी से संक्षिप्त मुलाकात हुई। इस दौरान सोनजा ने महारानी को एक शुभकामना कार्ड भेंट किया।

ब्रह्माकुमारीज़ का पहला कार्यक्रम

ग्रीन ज़ोन कार्यक्रम (Green Zone Event)

इस वर्ष COP31 में ब्रह्माकुमारीज़ का पहला कार्यक्रम ग्रीन ज़ोन स्थित ज़ीरो वेस्ट हब, स्टेज 1 पर आयोजित किया गया। सिस्टर मॉरीन, अनेता और शांतनु ने “चेतना, समुदाय और खाद्य संप्रभुता: जलवायु परिवर्तन का सामना करने के तीन मार्ग” विषय पर अपने विचार साझा किए। इस कार्यक्रम में इस बात पर चर्चा हुई कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सामना करने और उनसे उबरने की क्षमता बढ़ाने के लिए आंतरिक जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता और टिकाऊ खाद्य व्यवस्था कितनी महत्वपूर्ण हैं। इस कार्यक्रम में लगभग 40 लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत एक संवाद से हुई, जिसके बाद एक फ़िल्म दिखाई गई। इस फ़िल्म में भारत का एक उदाहरण प्रस्तुत किया गया, जिसमें बताया गया कि जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाला पलायन किस तरह स्थानीय समुदायों और उनकी जीवनशैली को प्रभावित कर रहा है।

वीडियो देखें • QR कोड स्कैन करें या क्लिक करें

कार्यक्रम देखें

www.youtube.com/@ecobrahmakumaris

इंटरव्यू श्रृंखला

क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो (Climate Wisdom Studio)

इस वर्ष हम सम्मेलन के अंदर ही इंटरव्यू भी रिकॉर्ड कर रहे हैं, जिन्हें 'क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो' के अंतर्गत प्रस्तुत किया जा रहा है।



स्वीडन के चर्च की पॉलिसी एडवाइज़र मार्गरिटा कोल्टाई का इंटरव्यू लेते हुए गोलो

जलवायु परिवर्तन के लिए युवा नेतृत्व

लगातार चौथे वर्ष हमारे क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो की शुरुआत हुई और इस बार युवाओं के विचार मुख्य आकर्षण रहे! शांतनु ने लूसी प्लमर (सोका गक्काई इंटरनेशनल ऑफ़िस फ़ॉर UN अफ़ेयर्स की युवा प्रतिनिधि), सैकत दास (नेट ज़ीरो रणनीतिकार), बिराजिथ और सोनजा के साथ बातचीत की। इस बातचीत में जलवायु परिवर्तन को लेकर युवाओं के विचारों, भविष्य से उनकी उम्मीदों और एक टिकाऊ एवं बेहतर दुनिया बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा हुई।





क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो – जलवायु परिवर्तन के लिए युवा नेतृत्व

वीडियो देखें • QR कोड स्कैन करें या क्लिक करें

लाइव कार्यक्रम देखें

www.youtube.com/@ecobrahmakumaris

नवंबर
10

मंगलवार, 10 नवंबर

TED काउंटडाउन हाउस • थॉमस हिर्श • क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो

सुबह

TED काउंटडाउन हाउस में ब्रेकफास्ट कार्यक्रम

अनेता और सोनजा के दिन की शुरुआत सुबह जल्दी अंताल्या स्थित TED काउंटडाउन हाउस में आयोजित एक ब्रेकफास्ट कार्यक्रम से हुई। प्रोजेक्ट डैंडेलियन द्वारा केवल आमंत्रित अतिथियों के लिए आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में COP के प्रतिनिधियों को एक साथ आने का अवसर मिला। इसमें स्वास्थ्य, महिलाओं और जलवायु परिवर्तन के आपसी संबंधों पर चर्चा की गई। मुख्य सवाल था – इस विषय से जुड़ी जानकारी को वास्तविक कार्यों में कैसे बदला जाए? इस चर्चा में सोनजा को मानसिक स्वास्थ्य के विषय को विशेष रूप से सामने रखने और मेडिटेशन कराने का अवसर मिला।



दोपहर

थॉमस हिर्श के साथ प्रेरणादायी बातचीत



दोपहर में जलवायु एवं विकास सलाहकार तथा रणनीतिकार थॉमस हिर्श के साथ टीम की एक प्रेरणादायी बातचीत हुई। इस दौरान इस बात पर विचार किया गया कि ब्रह्माकुमारीज़ COP की विभिन्न गतिविधियों में अपना योगदान किस तरह और बढ़ा सकती हैं, तथा अपने मूल्यों पर आधारित विशेष दृष्टिकोण को विश्व स्तर पर होने वाली जलवायु चर्चाओं में अधिक प्रभावशाली ढंग से कैसे प्रस्तुत कर सकती हैं।

क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो

जलवायु परिवर्तन का मानवीय पहलू

“जलवायु परिवर्तन का मानवीय पहलू” (The Human Dimension of Climate Change) विषय पर आधारित बातचीत के लिए स्टूडियो में तीन अतिथियों का स्वागत किया गया। गोलो ने थॉमस हिर्श (क्लाइमेट एंड डेवलपमेंट एडवाइस के डायरेक्टर), मिसेरेर संस्था की जलवायु एवं ऊर्जा नीति विशेषज्ञ मैडेलीन-अलिसा वॉर्नर और सोनजा के साथ बातचीत की। इस चर्चा में बताया गया कि जलवायु परिवर्तन किस तरह लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। साथ ही, इन चुनौतियों का सामना करने में हमारे जीवन-मूल्यों, मेडिटेशन और प्रार्थना की क्या महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, इस पर भी विचार साझा किए गए।



बुरहान, सोनजा, गोलो, मैडेलीन-अलिसा वॉर्नर और थॉमस हिर्श

वीडियो देखें • QR कोड स्कैन करें या क्लिक करें

लाइव कार्यक्रम देखें

www.youtube.com/@ecobrahmakumaris

भाग 01 की झलकियाँ

01 डेनमार्क पवेलियन के उद्घाटन पर महारानी मैरी से मुलाकात
02 ग्रीन ज़ोन में ब्रह्माकुमारीज़ का पहला कार्यक्रम – लगभग 40 प्रतिभागी
03 लगातार चौथे वर्ष क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो की शुरुआत
04 TED काउंटडाउन हाउस में स्वास्थ्य, महिलाओं और जलवायु पर चर्चा
05 थॉमस हिर्श के साथ प्रेरणादायी बातचीत
06 ‘जलवायु परिवर्तन का मानवीय पहलू’ पर स्टूडियो संवाद



COP31 में विश्व नेता – विश्व नेताओं का शिखर सम्मेलन, अंताल्या

भाग 02 | 11–13 नवंबर 2026

02

विश्व नेताओं का शिखर सम्मेलन

विश्व नेताओं के शिखर सम्मेलन के दो दिनों के गहन वक्तव्यों के बाद अब COP31 में भाषणों से आगे बढ़कर जलवायु से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर वास्तविक बातचीत और विचार-विमर्श शुरू हो गया है। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र और जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित देशों ने गंभीर चेतावनियाँ दीं। वहीं, दुनिया के अलग-अलग देशों की अपनी प्राथमिकताएँ भी सामने आईं।

91
देशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों ने भागीदारी की पुष्टि की

क्रिस बोवेन
COP31 सम्मेलन अध्यक्ष

3 प्रमुख विषय
जलवायु वित्त • अनुकूलन • स्वच्छ ऊर्जा

इस भाग में

- बुधवार, 11 नवंबर – शिखर सम्मेलन का उद्घाटन, संध्या मेडिटेशन, क्लाइमेट विजडम स्टूडियो 17
- गुरुवार, 12 नवंबर – शुक्रवार, 13 नवंबर – प्रदर्शनी और स्टूडियो संवाद 19
- भाग 02 की झलकियाँ 21

सम्मेलन की स्थिति

सम्मेलन अध्यक्ष क्रिस बोवेन के नेतृत्व में प्रतिनिधि अब कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। इनमें जलवायु संबंधी कार्यों के लिए आर्थिक सहायता, बदलती जलवायु के अनुसार स्वयं को ढालना और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को तेजी से बढ़ाना शामिल है। इस दौरान कई नई पहल और प्रतिबद्धताएँ भी सामने आ रही हैं। इनमें आपदाओं से होने वाले नुकसान के जोखिम को कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक वित्तीय सहायता व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव और शहरों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सामना करने में अधिक सक्षम बनाने पर विशेष ध्यान शामिल है।

91

सम्मेलन से पहले 91 देशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार के प्रमुखों ने इसमें शामिल होने की पुष्टि की थी। यह जलवायु संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों के प्रति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।



संयुक्त राष्ट्र महासचिव का संदेश

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अपने प्रभावशाली संदेश में तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि जलवायु संकट जिस तेजी से बढ़ रहा है, दुनिया उससे निपटने के लिए उतनी तेजी से प्रयास नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि जलवायु के प्रति हमारी पहली जिम्मेदारी सच्चाई को स्वीकार करना और उसे बताना है। विज्ञान हमें हार मानने के लिए नहीं, बल्कि और अधिक मजबूत कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है।

ब्रह्माकुमारीज़ का दृष्टिकोण

इन जटिल चर्चाओं के बीच ब्रह्माकुमारीज़ COP31 में एक विशेष दृष्टिकोण प्रस्तुत कर रही हैं। हमारा मानना है कि वैश्विक स्तर पर किए गए वादों और योजनाओं को वास्तविक रूप देने के लिए आंतरिक शक्ति, नैतिक मूल्य और संपूर्ण मानवता के प्रति एकता का भाव होना बहुत जरूरी है।

हमारे जलवायु ज्ञान केंद्र (क्लाइमेट विजडम स्टूडियो) के माध्यम से सम्मेलन में होने वाली बातचीत, कार्यक्रमों और विभिन्न मुलाकातों द्वारा हम यह समझने और समझाने का प्रयास कर रहे हैं कि चेतना में परिवर्तन किस प्रकार सहयोग, करुणा और दृढ़ संकल्प को प्रेरित कर सकता है। इससे एक अधिक टिकाऊ और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण संभव है।

नवंबर
11

बुधवार, 11 नवंबर

उच्चस्तरीय शिखर सम्मेलन एवं क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

विश्व नेताओं का शिखर सम्मेलन

उच्चस्तरीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन

अनेता को COP31 के विश्व नेताओं के शिखर सम्मेलन के भव्य उद्घाटन समारोह में शामिल होने का अवसर मिला। इस सम्मेलन में दुनिया के विभिन्न देशों के नेता एकत्रित हुए। इसकी मुख्य विषयवस्तु थी – "एक टिकाऊ, सुदृढ़ और न्यायपूर्ण भविष्य की ओर।"



शिखर सम्मेलन का भव्य उद्घाटन समारोह

> एक टिकाऊ, सुदृढ़ और न्यायपूर्ण भविष्य की ओर
>
> — COP31 विश्व नेताओं के शिखर सम्मेलन की मुख्य विषयवस्तु

ध्यान सत्र • हिममंडल प्रदर्शनी केंद्र

COP31 में संध्या मेडिटेशन – एक सागर, एक मानवता



बिरजिथ ने हिममंडल प्रदर्शनी केंद्र (Cryosphere Pavilion) में जल और समुद्र के विषय पर एक संध्या मेडिटेशन कराया। प्रदर्शनी केंद्र में उपस्थित कुछ लोगों ने देर तक रुककर इस मेडिटेशन का अनुभव लेने का निर्णय किया। समुद्र पर केंद्रित इस मेडिटेशन से असीम होने का अनुभव हुआ। साथ ही, अलग-अलग देशों, संस्कृतियों और बदलते समुद्री वातावरण के बावजूद संपूर्ण मानवता के एक होने का भाव जागृत हुआ।

मेडिटेशन का अनुभव देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

मीडिया साक्षात्कार

दक्षिण एशिया में जलवायु कार्यवाही (Climate Action) में धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका

गोलो ने अपने अस्थायी कार्यस्थल से ऑनलाइन साक्षात्कार दिया। इसमें उन्होंने बताया कि दक्षिण एशिया में जलवायु संरक्षण के प्रयासों को बढ़ावा देने में धर्म और धार्मिक संस्थाएँ किस प्रकार योगदान दे सकती हैं।

पत्रकार यह जानने का प्रयास कर रहे थे कि धार्मिक मान्यताएँ और संस्थाएँ किस तरह पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यावहारिक कदम उठाने में सहायक बन सकती हैं। साथ ही, उनके सामुदायिक संपर्क और संगठन पर्यावरण की रक्षा में किस प्रकार योगदान दे सकते हैं और आध्यात्मिक मूल्यों को वास्तविक परिणामों में बदलने में क्या चुनौतियाँ आती हैं।



गोलो – अस्थायी कार्यस्थल से ऑनलाइन साक्षात्कार

Shalinee Kumari
South Asia reporter
20 YEARS Dialogue Earth

क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

जलवायु ज्ञान केंद्र – समुदायों को सशक्त बनाएँ, पृथ्वी की रक्षा करें

इस शाम हमारे जलवायु ज्ञान केंद्र में एनर्जीज़ 2050 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टीफन पुफ़री और एसएएफसीईआई की कार्यकारी निदेशक फ्रांसेस्का डी गैस्पारिस विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए।

सिस्टर मॉरीन ने उनके साथ बातचीत की और गोलो ने साक्षात्कार लिया। इस बातचीत में उन्होंने बताया कि वे COP में क्यों आए हैं, उनकी व्यक्तिगत प्रेरणाएँ क्या हैं और भविष्य को लेकर उनकी क्या आशाएँ हैं।





जलवायु ज्ञान केंद्र (क्लाइमेट विजडम स्टूडियो) में विशेष अतिथियों के साथ संवाद

वीडियो देखें • QR कोड स्कैन करें या क्लिक करें
पूरी बातचीत देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।
www.youtube.com/@ecobrahmakumaris

नवंबर
12–13

गुरुवार, 12 नवंबर – शुक्रवार, 13 नवंबर

शिखर सम्मेलन के दौरान प्रदर्शनी और स्टूडियो संवाद

उच्चस्तरीय शिखर सम्मेलन के कारण विशेष बस सेवाओं और आवागमन पर काफी प्रतिबंध लगा दिए गए थे। इस वजह से इन दिनों गतिविधियाँ अपेक्षाकृत कम रहीं। सिस्टर मॉरीन को उच्चस्तरीय शिखर सम्मेलन के कुछ सत्रों में शामिल होने का अवसर मिला। इसके अलावा, बांग्लादेश के सबसे अधिक प्रसार वाले बांग्ला और अंग्रेज़ी समाचार पत्र 'आलो प्रोथम' ने उनका साक्षात्कार भी लिया।

हमारी प्रदर्शनी में लगातार काफी संख्या में लोग आ रहे हैं। विशेष रूप से नया त्रि-आयामी आभासी वास्तविकता (VR Immersive 3D) अनुभव लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है। इसके माध्यम से आगंतुकों को हमारे मधुबन और पर्यावरण से जुड़ी परियोजनाओं का वास्तविक जैसा अनुभव मिल रहा है।





प्रदर्शनी में नया त्रि-आयामी आभासी वास्तविकता (VR Immersive 3D) अनुभव

क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

जलवायु संरक्षण के लिए शिक्षा और नैतिक मूल्य

शिक्षा और नैतिक मूल्य जलवायु संरक्षण के सार्थक प्रयासों के लिए किस प्रकार प्रेरित कर सकते हैं? जलवायु ज्ञान केंद्र की इस विशेष बातचीत में गोलो ने सिस्टर मॉरीन, पर्यावरण शिक्षा फाउंडेशन के डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा और नॉर्वे के चर्च के रेवरेंड आइनर ट्वेले का स्वागत किया। इस बातचीत में सभी ने मिलकर विचार-विमर्श किया कि शिक्षा, आस्था और साझा नैतिक मूल्य किस प्रकार एक अधिक टिकाऊ भविष्य के निर्माण में सहयोग दे सकते हैं।



चित्र में: गोलो, सिस्टर मॉरीन, डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा और बुरहान



चित्र में: गोलो, सिस्टर मॉरीन, सोन्या और नॉर्वे के चर्च के रेवरेंड आइनर ट्वेले

वीडियो देखें • QR कोड स्कैन करें या क्लिक करें
पूरे संवाद को सुनने के लिए यूट्यूब पर जाएँ।
www.youtube.com/@ecobrahmakumaris

अंतरधार्मिक सहयोग

अंतरधार्मिक बैठक (Interfaith Meeting)

विभिन्न धर्मों और आस्थाओं से जुड़े संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपनी गतिविधियों में समन्वय स्थापित करने, नई जानकारियाँ साझा करने और आपसी संपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से एक बैठक की। इस बैठक में ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से अनेता और शांतनु ने भाग लिया।



अंतरधार्मिक बैठक में विभिन्न धर्मों और आस्थाओं से जुड़े संगठनों के प्रतिनिधि

क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

COP31 में नैतिक मूल्यों की भूमिका

जलवायु ज्ञान केंद्र में सोन्या ओल्सन ने क्लाइमेट हीलर्स के शैलेश राव, लॉडाटो सी मूवमेंट के एशले किटिस्या और सिस्टर मॉरीन का स्वागत किया। इस चर्चा में सभी ने अपने विचार साझा किए कि नैतिकता, करुणा और न्याय की भावना किस प्रकार शाकाहारी जीवनशैली अपनाने, पशुओं की देखभाल करने और एक बेहतर भविष्य के प्रति आशा जगाने के लिए प्रेरित कर सकती है।





जलवायु ज्ञान केंद्र में नैतिकता, करुणा और न्याय पर संवाद

वीडियो देखें • QR कोड स्कैन करें या क्लिक करें
पूरे संवाद को सुनने के लिए यूट्यूब पर जाएँ।
www.youtube.com/@ecobrahmakumaris

युवा आवाज़ें

युवा प्रदर्शनकारियों से मुलाकात



प्रदर्शनी स्थल के पास युवा जलवायु कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

हमारे प्रदर्शनी स्थल के पास कुछ युवा जलवायु कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इनमें ग्रेटा थनबर्ग भी शामिल थीं। वे हमारे प्रदर्शनी स्थल पर भी आईं और उन्होंने शुभकामना एवं आशीर्वाद कार्ड स्वीकार किए।

भाग 02 की झलकियाँ

01 91 देशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों ने भागीदारी की पुष्टि की
02 शिखर सम्मेलन का विषय – एक टिकाऊ, सुदृढ़ और न्यायपूर्ण भविष्य की ओर
03 हिममंडल प्रदर्शनी केंद्र में ‘एक सागर, एक मानवता’ संध्या मेडिटेशन
04 दक्षिण एशिया में धर्म और जलवायु कार्यवाही पर ऑनलाइन साक्षात्कार
05 प्रदर्शनी में नया VR इमर्सिव 3D अनुभव लोकप्रिय रहा
06 युवा प्रदर्शनकारियों से मुलाकात – ग्रेटा थनबर्ग ने शुभकामना कार्ड स्वीकार किए



रविवार, 15 नवंबर – अंताल्या के समुद्र तट पर बी.के. टीम

भाग 03 14–16 नवंबर 2026

03

अंतिम सप्ताह की ओर

तुर्किये के अंताल्या में चल रहा COP31 जलवायु सम्मेलन अपने अंतिम सप्ताह में पहुँच गया है। बातचीत में धीमी प्रगति और देशों के बीच गहरे मतभेदों के कारण वार्ताकारों पर समझौते तक पहुँचने का दबाव बढ़ रहा है। सम्मेलन स्थल तक पहुँचने में दो से तीन घंटे लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम और अमेरिका के किसी आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल की अनुपस्थिति से भी लोगों में नाराजगी है।

अंतिम सप्ताह

वार्ताकारों पर समझौते तक पहुँचने का दबाव बढ़ रहा है

2–3 घंटे

लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम से लोगों में नाराजगी

अमेरिका

के किसी आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल की अनुपस्थिति

इस भाग में

- सम्मेलन स्थल से गतिविधियाँ – ग्रीन ज़ोन, प्रेस कॉन्फ्रेंस, टेड काउंटडाउन हाउस 24
- रविवार, 15 नवंबर – समुद्र तट भ्रमण 27
- सोमवार, 16 नवंबर – रोटरी क्लब पवेलियन, रेडियो मधुबन, क्लाइमेट विजडम स्टूडियो 28
- भाग 03 की झलकियाँ 29

सम्मेलन की स्थिति

सम्मेलन में बातचीत के दौरान कई मुद्दों पर देशों के बीच मतभेद सामने आ रहे हैं, खासकर जलवायु के लिए धन, ऊर्जा और व्यापार को लेकर। जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित विकासशील देश 1.3 ट्रिलियन डॉलर के जलवायु वित्त लक्ष्य के तहत आसानी से मिलने वाली आर्थिक सहायता (अनुदान) की मांग कर रहे हैं। वहीं, अमीर देशों का कहना है कि उनके अपने देशों पर बढ़ता कर्ज और महँगाई उनके लिए बड़ी चुनौती है। दूसरी ओर, जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल और गैस) के बड़े उत्पादक देश इनके इस्तेमाल को धीरे-धीरे बंद करने की तय समय-सीमा वाली योजनाओं का कड़ा विरोध कर रहे हैं। वहीं, उभरती अर्थव्यवस्थाएँ हरित व्यापार शुल्क (Green Tariffs) का विरोध कर रही हैं। सम्मेलन स्थल के बाहर भी जलवायु न्याय की मांग को लेकर 10,000 से अधिक लोगों ने सप्ताहांत में अंताल्या की सड़कों पर मार्च निकाला। उन्होंने तुर्किये में कोयले के बढ़ते इस्तेमाल की योजनाओं की भी आलोचना की। अब जब विभिन्न देशों के मंत्री रुकी हुई बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए पहुँच रहे हैं, तो आने वाले कुछ दिन तय करेंगे कि COP31 वास्तव में कोई ठोस कदम उठा पाता है या एक बार फिर केवल औपचारिक समझौते तक ही सीमित रह जाता है।

$1.3 ट्रिलियन
के जलवायु वित्त लक्ष्य के तहत विकासशील देश अनुदान की मांग कर रहे हैं

10,000+
लोगों ने जलवायु न्याय की मांग को लेकर सप्ताहांत में अंताल्या की सड़कों पर मार्च निकाला



बी.के. टीम का अपडेट

एक सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रमों और आपसी मेल-मिलाप के बाद बिराजिथ और डोरकस अब विदा ले रहे हैं। दोनों का दिल से धन्यवाद! रेडियो मधुबन से सिस्टर कृष्णा और लीसेस्टर से रीना यहाँ पहुँच गई हैं। वे युवाओं से जुड़े कार्यक्रमों और इंटरव्यू पर विशेष रूप से ध्यान देंगी। दोनों का हार्दिक स्वागत है!

सम्मेलन स्थल से गतिविधियाँ

ग्रीन ज़ोन • प्रेस कॉन्फ्रेंस • टेड काउंटडाउन हाउस • क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

ब्रह्माकुमारीज़ और SAFCEI

ग्रीन जोन

ब्रह्माकुमारीज़ और SAFCEI ने मिलकर ग्रीन ज़ोन में सुबह का एक कार्यक्रम आयोजित किया। यह क्षेत्र सभी नागरिकों के लिए खुला है। यहाँ कई स्कूलों के विद्यार्थी जलवायु परिवर्तन के बारे में अधिक जानने के लिए आते हैं। आज के कार्यक्रम में इस्तांबुल और अन्य शहरों से आए विद्यार्थी भी शामिल हुए। ग्रीन ज़ोन में काफी चहल-पहल है और COP के दौरान यहाँ लाखों लोगों के आने की उम्मीद है। आज सुबह के कार्यक्रम का विषय था – स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव में नैतिकता और युवाओं की भूमिका (Ethical and Youth Dimensions of the Clean Energy Transition)।

Southern African Faith Communities' Environment Institute (SAFCEI) एक ऐसा संगठन है, जो कई गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) को एक साथ जोड़कर पर्यावरण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है।



ग्रीन ज़ोन कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थी और प्रतिभागी



फोटो में: डेविड मुनेने, गोलो, फ्रांसेस्का डी गैस्पारी, बिराजिथ और जोआन हार्डिंग

वीडियो देखें • QR कोड स्कैन करें या क्लिक करें

कार्यक्रम यहाँ देखें

www.youtube.com/live/zRjE5ekCW9w

सेंटर ऑफ अर्थ एथिक्स के साथ

प्रेस कॉन्फ्रेंस

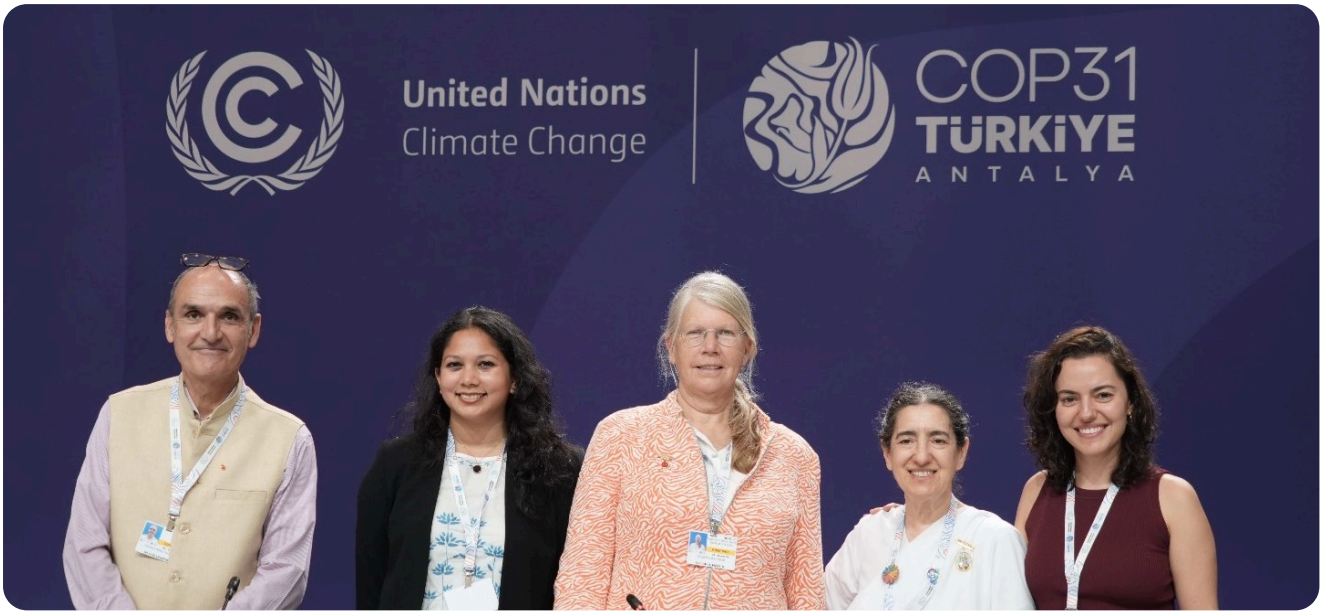

फोटो में: गोलो, समीरा सिद्दीकी, सोनजा, सिस्टर मॉरीन और फ्लाविया बेलागुआर्डा

वैश्विक नैतिक समीक्षा: जलवायु कार्रवाई के लिए एक नई जागरूकता (Global Ethical Stocktake: A New Awareness for Climate Action)

इस वर्ष की प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन सेंटर ऑफ अर्थ एथिक्स के साथ मिलकर किया गया। इसमें ग्लोबल एथिकल स्टॉकटेक पर विशेष चर्चा हुई। यह पहल ब्राजील सरकार ने COP30 में शुरू की थी। चर्चा में इस पहल की पृष्ठभूमि, अब तक हुई प्रगति और नैतिक सिद्धांतों को वास्तविक जीवन में किस तरह अपनाया जा सकता है, इन विषयों पर विचार किया गया। साथ ही, नैतिकता के गहरे आध्यात्मिक अर्थ को भी समझने का प्रयास किया गया।

वीडियो देखें • QR कोड स्कैन करें या क्लिक करें

कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग यहाँ देखें

unfccc.int/event/brahma-kumaris-world-spiritual-university-global-ethical-stocktake-a-new-awareness-for-climate

इंटरव्यू

टेड काउंटडाउन हाउस (TED Countdown House)



टेड काउंटडाउन हाउस में गोलो और लिंडसे लेविन

टेड काउंटडाउन हाउस पिछले कई वर्षों से COP सम्मेलनों में बातचीत और आपसी जुड़ाव का एक अच्छा मंच रहा है। गोलो ने इसके सह-संस्थापक लिंडसे लेविन का इंटरव्यू लिया। इस बातचीत का प्रसारण हमारे क्लाइमेट विजडम स्टूडियो में किया जाएगा। इस वर्ष टेड काउंटडाउन हाउस सम्मेलन स्थल के पास एक सुंदर चीड़ के जंगल (Pine Forest) से घिरे रेस्टोरेंट में बनाया गया था।

इंटरव्यू

पौधों पर आधारित आहार के लाभ

अनेता ने वीगन हेल्थ कोच बुई लिन्ह जियांग का इंटरव्यू लिया। इसमें पौधों पर आधारित आहार (Plant-Based Diet) के महत्व और उससे व्यक्ति के स्वास्थ्य तथा पृथ्वी को होने वाले लाभों पर चर्चा की गई।



क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

COP31 के केंद्र में नैतिकता



क्लाइमेट विजडम स्टूडियो में नैतिकता पर संवाद

आज शाम क्लाइमेट विजडम स्टूडियो में ब्राजील सरकार के COP30 विशेष सलाहकार कार्यालय की प्रोजेक्ट मैनेजर फ्लाविया बेलागुआर्डा ने सिस्टर मॉरीन गुडमैन के साथ बातचीत की। सोनजा ओहलसन ने इस संवाद का संचालन किया। इसमें शासन व्यवस्था और जलवायु से जुड़े कार्यों में नैतिकता की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श हुआ। चर्चा में यह समझने का प्रयास किया गया कि जलवायु से जुड़े निर्णयों और कार्यों में नैतिक मूल्यों को किस प्रकार शामिल किया जा सकता है।

कार्यक्रम यहाँ देखें

नवंबर
15

रविवार, 15 नवंबर

बी.के. टीम का समुद्र तट भ्रमण

रविवार को COP सम्मेलन बंद रहता है। इस दिन प्रतिनिधियों को आराम करने, अपने बाकी कार्य पूरे करने और अंताल्या के सुंदर प्राकृतिक स्थलों को देखने का अवसर मिलता है। बी.के. टीम ने भी समुद्र तट के किनारे एक भ्रमण किया और प्रकृति के बीच बहुत अच्छा समय बिताया। पश्चिमी टॉरस पर्वत श्रृंखला (Western Taurus Mountain Range) की सबसे ऊँची चोटी 3,000 मीटर से भी अधिक ऊँची है।







अंताल्या के समुद्र तट पर बी.के. टीम का भ्रमण

नवंबर
16

सोमवार, 16 नवंबर

रोटरी क्लब पवेलियन • रेडियो मधुबन • क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

रोटरी क्लब पवेलियन • पैनल चर्चा

परिवर्तन लाने वालों की देखभाल: थकान से बचाव, आपसी जुड़ाव और सामूहिक शक्ति

रोटरी क्लब पवेलियन ने “परिवर्तन लाने वालों की देखभाल: थकान से बचाव, आपसी जुड़ाव और सामूहिक शक्ति” (Caring for the Changemakers: Burnout, Belonging and Collective Power) विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में पैनल चर्चा के लिए शांतनु को आमंत्रित किया गया। चर्चा का मुख्य विषय था कि जलवायु व्यवस्था में बदलाव लाने के प्रयासों में लोगों को केंद्र में रखना क्यों जरूरी है। इस दौरान जलवायु के क्षेत्र में नेतृत्व करने वाले लोगों के भावनात्मक और आपसी संबंधों से जुड़े पहलुओं पर बात हुई। इसमें पर्यावरण को लेकर चिंता (Eco-anxiety), मानसिक और भावनात्मक थकान (Burnout) तथा व्यवस्था में बड़े बदलाव लाने के प्रयासों के दौरान आने वाले दबाव जैसे विषय शामिल थे। चर्चा में यह भी विचार किया गया कि लोगों की देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य, आत्मचिंतन पर आधारित नेतृत्व और जलवायु से जुड़ी भावनाओं को स्वस्थ तरीके से संभालना, सामाजिक आंदोलनों और संगठनों के कार्यों का एक जरूरी हिस्सा कैसे बन सकता है।





रोटरी क्लब पवेलियन में पैनल चर्चा

COP31 प्रेसडेस्क

रेडियो मधुबन



कृष्णा ने COP31 प्रेसडेस्क में रेडियो मधुबन की जिम्मेदारी संभाल ली है और अब वहाँ के कार्यों में अच्छी तरह से जुड़ गई हैं।

तीन विशेष अतिथि

क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

आज शाम हमारे स्टूडियो में तीन विशेष अतिथियों के साथ लगातार कार्यक्रम चलते रहे।

ओवाइस सरमद

ग्रीनहाउस गैस प्रोटोकॉल संचालन समिति के उपाध्यक्ष और UNFCCC के पूर्व उप कार्यकारी सचिव

जन्ना हॉपमैन

क्लाइमेट माइंड एकेडमी की संस्थापक

फादर रिगोबर्ट मिनानी बिहुजो

कांगो बेसिन के जंगलों के लिए चर्च नेटवर्क के समन्वयक

इन सभी के साथ हुई बातचीत में संयुक्त राष्ट्र की जलवायु नीतियों, मनोविज्ञान और वर्षावनों जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए गए।





क्लाइमेट विजडम स्टूडियो के लाउंज में अतिथि वक्ताओं और सहयोगियों के साथ कुछ यादगार पल

भाग 03 की झलकियाँ

01 ग्रीन ज़ोन में SAFCEI के साथ विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम

02 सेंटर ऑफ अर्थ एथिक्स के साथ ग्लोबल एथिकल स्टॉकटेक पर प्रेस कॉन्फ्रेंस

03 टेड काउंटडाउन हाउस के सह-संस्थापक लिंडसे लेविन का इंटरव्यू

04 रविवार को समुद्र तट के किनारे बी.के. टीम का भ्रमण

05 रोटरी क्लब पवेलियन में ‘परिवर्तन लाने वालों की देखभाल’ पर पैनल चर्चा

06 कृष्णा ने COP31 प्रेसडेस्क में रेडियो मधुबन की जिम्मेदारी संभाली



तंजानिया पवेलियन – सामुदायिक जलवायु अनुकूलन और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व

भाग 04 17–18 नवंबर 2026

04

अंतिम चरण

COP31 सम्मेलन अब अपने अंतिम चरण में पहुँच रहा है, लेकिन अभी भी 21 महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत में सहमति नहीं बन पाई है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि हर साल की तरह इस बार भी सम्मेलन निर्धारित समय से आगे चल सकता है। जलवायु वित्त (Climate Finance), जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की तैयारी और वैश्विक तापमान को 1.5°C की सीमा से अधिक बढ़ने से रोकने जैसे मुद्दों पर सहमति बनाने के लिए मंत्री बंद कमरों में विशेष बैठकें कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के सर्वसम्मति से निर्णय लेने के नियम के कारण, जीवाश्म ईंधन का उत्पादन करने वाले देश इसके इस्तेमाल को धीरे-धीरे बंद करने की स्पष्ट प्रतिबद्धता का विरोध कर रहे हैं। साथ ही, वे संयुक्त राष्ट्र की जलवायु विज्ञान संबंधी संस्था (IPCC) की महत्वपूर्ण रिपोर्टों को जारी करने में भी देरी करने की कोशिश कर रहे हैं।

21
महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत में अभी भी सहमति नहीं

1.5°C
की सीमा – सहमति के लिए मंत्रियों की विशेष बैठकें

95,000
प्रतिनिधि (लगभग) – COP31 में शामिल

इस भाग में

- मंगलवार, 17 नवंबर – धरती माता, UNEP, सोलर हब 32
- बुधवार, 18 नवंबर – तंजानिया पवेलियन, UNFCCC संवाद 35
- भाग 04 की झलकियाँ 39
- हमसे जुड़ें 39

सम्मेलन की स्थिति

इस गतिरोध से सम्मेलन में शामिल प्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों में नाराजगी बढ़ रही है। पनामा के पर्यावरण मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि पूरी दुनिया को "पेट्रोलियम माफिया ने बंधक बना रखा है।" वहीं, अमीर देशों की भी आलोचना हो रही है कि वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता नहीं दे रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की धीमी प्रक्रिया से निराश होकर कई देश अब दूसरे विकल्पों पर भी काम कर रहे हैं। 30 देश जीवाश्म ईंधन के विस्तार को रोकने के लिए एक बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि का समर्थन कर रहे हैं। 11 देश जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल धीरे-धीरे समाप्त करने की ठोस योजनाएँ बना रहे हैं। वहीं, इथियोपिया के नेतृत्व में एक समूह प्रकृति के कार्बन सोखने वाले स्रोतों (जैसे जंगलों और प्राकृतिक क्षेत्रों) को फिर से मजबूत करने पर काम कर रहा है।

30

देश जीवाश्म ईंधन के विस्तार को रोकने के लिए बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि का समर्थन कर रहे हैं

11

देश जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल धीरे-धीरे समाप्त करने की ठोस योजनाएँ बना रहे हैं

इथियोपिया

के नेतृत्व में एक समूह प्रकृति के कार्बन सोखने वाले स्रोतों को फिर से मजबूत करने पर काम कर रहा है

> पूरी दुनिया को पेट्रोलियम माफिया ने बंधक बना रखा है।
>
> — पनामा के पर्यावरण मंत्री

ब्रह्माकुमारीज़ पर्यावरण टीम की भूमिका

ऐसे महत्वपूर्ण समय में ब्रह्माकुमारीज़ की पर्यावरण टीम की उपस्थिति और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। सकारात्मक वाइब्रेशन्स और इस संदेश के माध्यम से कि विश्व परिवर्तन की शुरुआत स्वयं के आंतरिक परिवर्तन से होती है, हमारी टीम COP31 में शामिल लगभग 95,000 प्रतिनिधियों के बीच एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।



नवंबर
17

मंगलवार, 17 नवंबर

धरती माता • विशेष मुलाकातें • वेल-बीइंग • सोलर हब • क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

धरती माता का संदेश

COP31 में धरती माता के संदेश की एक सुंदर झलक

रीना ने एक सुंदर पोशाक पहनी, जिसे ब्राजील के साल्वाडोर दा बाहिया की गोरेथ ने तैयार किया था। इस पोशाक का पहली बार पिछले वर्ष बेलेम में उपयोग किया गया था। रीना के साथ फोटो और सेल्फी लेने के लिए लोगों की कतार लग गई। वह हर व्यक्ति से कहती थीं, "धरती माता का आपके लिए एक संदेश है।" इसके बाद वे सभी को एक ब्लेसिंग कार्ड (शुभकामना कार्ड) निकालने के लिए आमंत्रित करती थीं। सम्मेलन के गंभीर और तनावपूर्ण माहौल के बीच यह एक बहुत ही सुंदर, आनंददायक और सकारात्मक अनुभव रहा।



धरती माता की पोशाक में रीना



रीना के साथ फोटो और सेल्फी लेने के लिए लोगों की कतार

सिस्टर मॉरीन

COP में विशेष मुलाकातें और संवाद

सिस्टर मॉरीन ने COP में कई महत्वपूर्ण संवाद और मुलाकातें कीं। उन्होंने घाना की अबिबिमन फाउंडेशन के डायरेक्टर केनेथ अमाटोएंग और UNFCCC की प्रोग्राम ऑफिसर मोनिक नार्डी से मुलाकात की। नाइजीरिया के पारंपरिक शासक और जलवायु के लिए कार्य करने वाले किंग गुडलक भी विशेष रूप से COP में ब्रह्माकुमारीज़ की टीम से मिलने आए।







COP में सिस्टर मॉरीन की विशेष मुलाकातें और संवाद

बच्चों और युवाओं का पवेलियन

वेल-बीइंग स्पेस

बच्चों और युवाओं के पवेलियन में बनाए गए वेल-बीइंग कॉर्नर में ब्रह्माकुमारीज़ के युवा प्रतिनिधियों ने कई रचनात्मक और आत्मचिंतन से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित कीं। युवा प्रतिनिधियों और बच्चों ने सकारात्मक चिंतन की गतिविधियों में भाग लिया और सीखा कि विशेषकर COP जैसे सम्मेलनों में तनाव, घबराहट और चिंता को किस प्रकार संभाल सकते हैं। उन्हें बायोडायवर्सिटी कार्ड (जैव विविधता कार्ड) और 'बी अ ब्रिज' (आपसी जुड़ाव का सेतु बनें) बैज भी दिए गए। सभी प्रतिभागियों ने मेडिटेशन का आनंद लिया और वहाँ से खुशी, शांति तथा आत्मविश्वास का अनुभव लेकर गए।



बच्चों और युवाओं के पवेलियन में वेल-बीइंग कॉर्नर

मेडिटेशन

क्लीन एनर्जी फ्यूचर्स पवेलियन में मेडिटेशन

COP31 में आयोजित 'एनर्जी एंड नेचर' (ऊर्जा और प्रकृति) कार्यक्रम की शुरुआत अनेता द्वारा कराए गए एक शांतिदायक मेडिटेशन से हुई। इसका उद्देश्य मन की भावनाओं और विज्ञान के बीच तालमेल स्थापित करना था। इस चर्चा में प्रकृति को फिर से स्वस्थ बनाने, पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में लोगों के मानसिक आघात और अनुभवों को समझने तथा स्थानीय समुदायों और प्रकृति के प्रति सम्मान रखने जैसे विषयों पर विचार किया गया। वक्ताओं ने युवा नेतृत्व, नैतिकता पर आधारित नए प्रयोगों और वैज्ञानिक ज्ञान को पारंपरिक ज्ञान के साथ जोड़ने के महत्व पर जोर दिया।



'एनर्जी एंड नेचर' कार्यक्रम



हमारे स्टॉल पर विशेष अतिथि

UNEP

UNEP की कार्यकारी निदेशक इन्गर एंडरसन, जो नैरोबी स्थित मुख्यालय से आई थीं, हमारे स्टॉल पर पहुँचीं और शांतनु तथा अनेता से मुलाकात की।

सोलर हब में

सशक्त और टिकाऊ भविष्य का निर्माण

गोलो ने इंटरनेशनल सोलर अलायंस (ISA) और GRIHA काउंसिल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में चर्चा की गई कि जलवायु के अनुकूल भवनों का निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और स्थानीय ज्ञान किस प्रकार छोटे द्वीपीय विकासशील देशों (Small Island Developing States) में पर्यटन से जुड़ी सुविधाओं को अधिक टिकाऊ और मजबूत बना सकते हैं। अपने परिचयात्मक संबोधन में ISA के करण मंगोत्रा ने ज्ञान सरोवर स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सोलर हाउस को मिले सम्मान का उल्लेख किया। इस भवन को 5-स्टार टिकाऊ भवन के रूप में मान्यता मिली है। इस कार्यक्रम में GRIHA काउंसिल के आकाश दीप और किरिबाती की महिला, युवा, खेल एवं सामाजिक मामलों की मंत्री रूथ क्रॉस क्वांसिंग सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे।



फोटो में : गोलो, आकाश दीप (GRIHA काउंसिल) और रूथ क्रॉस क्वांसिंग, किरिबाती (एक छोटा द्वीपीय देश) की महिला, युवा, खेल एवं सामाजिक मामलों की मंत्री।

जलवायु न्याय और नैतिक नेतृत्व

क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

गोलो ने ACT Alliance के टोरंटो कार्यालय में कम्युनिकेशन्स प्रमुख साइमन चैम्बर्स और सिस्टर मॉरीन के साथ एक विशेष संवाद का संचालन किया। इस चर्चा में जलवायु संकट का सामना करने के लिए जलवायु न्याय (Climate Justice) और नैतिक नेतृत्व के महत्व पर विचार किया गया। इसमें बताया गया कि गहरी करुणा, अपनी जिम्मेदारी समझना और विभिन्न धर्मों के बीच सहयोग किस प्रकार जलवायु संरक्षण के लिए सार्थक कदम उठाने की प्रेरणा दे सकते हैं।



फोटो में : बुरहान, गोलो, ACT Alliance के साइमन चैम्बर्स, सिस्टर मॉरीन, सोनजा, अनेता और क्लाइमेट स्टूडियो की टीम।

नवंबर 18

बुधवार, 18 नवंबर

RINGO व YOUNGO • तंजानिया पवेलियन • UNFCCC संवाद • क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

COP में कई दिनों की शुरुआत काफी सुबह हो जाती है। अनेता RINGO (रिसर्च एंड इंडिपेंडेंट NGOs) की बैठकों में शामिल होती हैं, जबकि हमारे युवा प्रतिनिधि YOUNGO की बैठकों में भाग लेते हैं। YOUNGO संयुक्त राष्ट्र में युवाओं का आधिकारिक समूह है। ब्रह्माकुमारीज़ COP में इन दोनों समूहों के साथ पंजीकृत है। सिस्टर मॉरीन के दिन की शुरुआत स्वीडन के उप्साला की बिशप करिन योहानसन के साथ एक आत्मीय और आध्यात्मिक मुलाकात से हुई।



उप्साला की बिशप करिन योहानसन के साथ सिस्टर मॉरीन

तंजानिया पवेलियन

सामुदायिक जलवायु अनुकूलन और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व



सिस्टर मॉरीन गुडमैन को COP31 के एक विशेष कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। शांतनु मंडल ने भी पैनलिस्ट के रूप में इसमें भाग लिया। इस कार्यक्रम का विषय था – तंजानिया के वन्यजीव क्षेत्रों के आसपास रहने वाले समुदायों की आजीविका को मजबूत बनाना। इसमें सामुदायिक सशक्तिकरण, वन्यजीवों का संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के अनुसार स्वयं को ढालने जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

अपने मुख्य संबोधन में सिस्टर मॉरीन ने जंगलों और वन्यजीवों की रक्षा में स्थानीय समुदायों को शामिल करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इसके लिए तीन आवश्यक बातों को सामने रखा: सही ज्ञान और जानकारी, आर्थिक सहायता और सबसे महत्वपूर्ण – आंतरिक सशक्तिकरण। उन्होंने बताया कि आध्यात्मिक मूल्य, सकारात्मक दृष्टिकोण और प्रकृति के साथ जुड़ाव की भावना किस प्रकार स्थायी परिवर्तन ला सकते हैं। इससे समुदाय भी मजबूत बनते हैं और धरती की देखभाल करने की भावना भी बढ़ती है।

01
सही ज्ञान और जानकारी

02
आर्थिक सहायता

03
आंतरिक सशक्तिकरण

सबसे महत्वपूर्ण

UNFCCC संवाद

नैतिक चुनौतियों का सामना

UNFCCC द्वारा आयोजित COP31 के एक विशेष संवाद में सिस्टर मॉरीन को विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं के साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। इस संवाद का विषय था – "जलवायु न्याय के लिए हमारे कार्यों को नैतिक मूल्य किस प्रकार दिशा देते हैं?" इस चर्चा में विचार किया गया कि न्याय, करुणा, जिम्मेदारी और प्रकृति की देखभाल जैसे मूल्य जलवायु संरक्षण के प्रयासों को किस प्रकार मजबूत बना सकते हैं। इसमें यह भी बताया गया कि धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण वैज्ञानिक ज्ञान के पूरक बन सकते हैं। ये अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और जलवायु संबंधी बातचीत में अधिक गंभीर तथा प्रभावशाली कदम उठाने की प्रेरणा दे सकते हैं।



UNFCCC द्वारा आयोजित विशेष संवाद

सोका गक्काई इंटरनेशनल के संचालन में

UNFCCC का विशेष कार्यक्रम – एक बेहतर दुनिया के विकल्प

COP31 के इस विशेष कार्यक्रम में सोका गक्काई इंटरनेशनल (SGI) की फ्लोर गेट्टी ने चर्चा का संचालन किया। सिस्टर मॉरीन ने एक अंतरराष्ट्रीय पैनल में भाग लिया, जिसमें प्रभावी, स्वस्थ और सभी के लिए समान अवसर प्रदान करने वाली जलवायु नीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र, जर्मन फेडरल एनवायरनमेंट एजेंसी, क्लाइमेट एनालिटिक्स और युवा जलवायु संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। सिस्टर मॉरीन ने टिकाऊ योगिक खेती (Sustainable Yogic Agriculture) के बारे में बताया। इसमें पर्यावरण के अनुकूल खेती के साथ मेडिटेशन, करुणा और प्रकृति के प्रति सम्मान को भी महत्व दिया जाता है। इस चर्चा में मानव अधिकारों, नवीकरणीय ऊर्जा, सामुदायिक सशक्तिकरण और नैतिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया गया। ये सभी मिलकर एक अधिक न्यायपूर्ण और टिकाऊ भविष्य बनाने में मदद कर सकते हैं।



कार्यक्रम की सहभागी संस्थाएँ

- सोका गक्काई इंटरनेशनल का संयुक्त राष्ट्र मामलों का कार्यालय
- ब्रह्माकुमारीज़
- फ्रेंड्स वर्ल्ड कमेटी फॉर कंसल्टेशन
- क्वेकर्स इन ब्रिटेन

वीडियो देखें • QR कोड स्कैन करें या क्लिक करें

वेबकास्ट देखें

www.youtube.com/live/6vu7L_EZigk



UNFCCC का विशेष कार्यक्रम – एक बेहतर दुनिया के विकल्प

ऊर्जा • पर्यावरण • वन्यजीव संरक्षण

क्लाइमेट विजडम स्टूडियो

सोनजा ओहल्सन ने गोलो, TERI (द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट) की डायरेक्टर जनरल डॉ. विभा धवन और तंजानिया वाइल्डलाइफ मैनेजमेंट अथॉरिटी की लिलियन वावा के साथ एक विशेष संवाद का संचालन किया। इस चर्चा में नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न दृष्टिकोण सामने आए। सभी ने इस बात पर विचार किया कि ज्ञान, आपसी सहयोग और साझा जिम्मेदारी के माध्यम से हम जलवायु संकट का सामना कैसे कर सकते हैं और एक अधिक टिकाऊ भविष्य का निर्माण कैसे कर सकते हैं।



फोटो में : अतिथि वक्ता लिलियन वावा ने गोलो और सोनजा को पारंपरिक मसाई पोशाक भेंट की।

वीडियो देखें • QR कोड स्कैन करें या क्लिक करें

वेबकास्ट देखें

www.youtube.com/playlist?list=PLZCQgoLMHTv0



क्लाइमेट विजडम स्टूडियो में संवाद

भाग 04 की झलकियाँ

01 COP31 में धरती माता के संदेश की एक सुंदर झलक
02 UNEP की कार्यकारी निदेशक इन्गर एंडरसन हमारे स्टॉल पर पहुँचीं
03 ज्ञान सरोवर सोलर हाउस को 5-स्टार टिकाऊ भवन की मान्यता का उल्लेख
04 तंजानिया पवेलियन में सिस्टर मॉरीन का मुख्य संबोधन
05 UNFCCC संवाद – जलवायु न्याय के लिए नैतिक मूल्य
06 TERI की डॉ. विभा धवन और लिलियन वावा के साथ स्टूडियो संवाद

ब्रह्माकुमारीज़ की वेबसाइट एवं अन्य सोशल मीडिया लिंक

हमसे जुड़ें

अधिक जानकारी के लिए

- www.brahmakumaris.org
- www.eco.brahmakumaris.org
- www.brahmakumaris.com
- www.solar.brahmakumaris.com

सोशल मीडिया पर हमसे जुड़ें

- facebook.com/bkenvironmentinitiative
- twitter.com/EcoBrahmaKumari
- instagram.com/ecobrahmakumaris
- linkedin.com/company/ecobrahmakumaris

हमारी वेबसाइट देखने और क्लाइमेट विजडम स्टूडियो के इंटरव्यू यूट्यूब पर देखने के लिए QR कोड स्कैन करें।

eco.brahmakumaris.org

brahmakumaris.com

YouTube • @ecobrahmakumaris



जलवायु के प्रति सहनशीलता की शुरुआत हमारे भीतर से होती है

Climate Resilience Begins Within

जैसे-जैसे सम्मेलन में विचार-विमर्श और बातचीत आगे बढ़ रही है, हमें यह याद दिलाया जा रहा है कि दुनिया में शांति, सहयोग और चुनौतियों का सामना करने की शक्ति की शुरुआत हमारे अपने भीतर से होती है।